नीचे दिए गए काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुन त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली, पग पग छहर रही हैं।
वह पुण्य-भूमि मेरी, वह स्वर्ण-भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

(क) 'जगमग छटा निराली' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रस्तुत काव्यांश में सिंधु का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

(ग) आकाश शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(घ) **कथन** (A) भारतभूमि पर पावन नदियाँ भारतभूमि की शोभा बढ़ाती हैं।
कारण (R) भारतभूमि पर गंगा, यमुना व सरस्वती का संगम है।

(i) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
(ii) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कथन (A), कारण (R) की सही व्याख्या करता है।
(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कथन (A) कारण (R) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ङ) दिए गए कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

1. भारत की भूमि उपजाऊ नहीं है।
2. हिमालय पर्वत गौरव का प्रतीक है।
3. कृषि प्रधान देश होने के कारण भारतभूमि स्वर्णभूमि है।
4. कवि को अपनी मातृभूमि पर गर्व नहीं है।

(i) 1 और 2 सही हैं ☐ (ii) 2 और 3 सही हैं
(iii) 1 और 4 सही हैं ☐ (iv) 3 और 4 सही हैं